Bihar board class 8th Geography Notes Chapter 4

परिवहन

पाठ का सारांश-"एक स्थान से दूसरे स्थान तक व्यक्तियों या वस्तुओं को पहुँचाना-लाना परिवहन कहलाता है।" यह सड़क मार्ग, रेल मार्ग, हवाई मार्ग, जल मार्ग से होता है। जो भूमि पर चलते हैं, वे स्थलीय परिवहन के साधन हैं जो आकाश में उड़कर एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं, वे हवाई परिवहन के साधन हैं और जो जल में चलते हैं, ये जल परिवहन के साधन हैं।

सड़क परिवहन, परिवहन का एक मुख्य साधन है। देश को अनेक सड़कें "स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग" के नाम से जानी जाती है। इस सड़क का निर्माण और देखरेख भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण करती है।

रेल परिवहन यात्रियों एवं माल ढुलाई का प्रमुख साधन है। यह देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र प्रतिष्ठान है जिसमें लगभग 16 लाख कर्मचारी काम करते हैं। देश में रेलवे को प्रशासनिक सुविधा के लिए 16 मंडलों में बाँटा गया है जिस पर रेलवे बोर्ड नियंत्रण रखता है।

बिहार के हाजीपुर में पूर्व मध्य रेलवे का मंडल कार्यालय अवस्थित है। विक्रमशीला, लिच्छवी, मगध, श्रमजीवी, सीमांचल, अर्चना, महाबोधि एक्सप्रेस बिहार से खुलने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनें हैं।

आजकल तो दुरंतो, युवा एक्सप्रेस, सम्पूर्ण क्रांति, राजधानी और शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों से भी ज्यादा द्रुतगामी हो गई है जो देश को एक कोने से दूसरे कोने तक जोड़ती हैं। झारखंड से कोयला, लोहा, बॉक्साइट जैसी भारी खनिजों, असम से पेट्रोलियम पदार्थों तथा पंजाब-हरियाणा से अनाजों का परिवहन रेलवे ही सुगम और सस्ता बनाती है।

पाइप लाइन परिवहन जमीन के अन्दर बिछाई गई पाइप लाइनें होती हैं, जिनकी मदद से पेट्रोलियम पदार्थ जल गैस आदि एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचायी जाती है। बिहार के बरौनी, उत्तर प्रदेश के हरियाणा के पानीपत में स्थापित तेलशोधक कारखानों में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति ऐसे ही पाइप लाइनों के जरिये होती है।

जल परिवहन भी दो प्रकार के होते हैं—पहला आंतरिक जल परिवहन और दूसरा समुद्री जल परिवहन । आंतरिक जल परिवहन देश के अंदर नदियों के जल में जहाजों का परिचालन किया जाता है और यात्री व माल की ढुलाई की जाती है। देश के अन्दर लगभग 15 हजार किलोमीटर नौसंचालन जलमार्ग है । भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया से इलाहाबाद तक गंगा नदी में, सदिया से घुबरी ब्रह्मपुत्र नदी में, दक्षिण भारत में केरल के तटीय नहर कोट्टापुरम से कोल्लम मथुरा, को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया है। गोदावरी, कृष्णा, सुंदरवन आदि महत्वपूर्ण आंतरिक जलमार्ग हैं। मैंने घटना में भी गंगा नदी में मालवाहक जहाज देखा है। पूर्वी पटना में गंगातट पर राजेन्द्र प्रसाद अन्तर्देशीय जलपरिवहन टर्मिनल है।

समुद्री जल परिवहन भारत की लगभग साढ़े सात हजार किलोमीटर लंबी समुद्री तट बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के साथ लगी हुई है। इन समुद्र तटों पर 12 प्रमुख बड़े बंदरगाह और कई छोटे और मझोले पत्तन हैं जिनसे अंतर्राष्ट्रीय परिवहन सुलभ होता है। गुजरात के कच्छ में कांडला पत्तन ज्वारीय पत्तन है वहीं तूतीकोरन, न्वाहशेबा, पाराद्वीप, विशाखापट्नम, हल्दिया, चेन्नई, मंगलोर, मार्मागाओं इत्यादि प्रमुख बंदरगाह हैं । मुम्बई खुला हुआ बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह है। मुम्बई के इस बंदरगाह में अधिक जहाजों के आवागमन के कारण ही इसके निकट एक दूसरा बंदरगाह विकसित किया गया है जिसे जवाहरलाल नेहरू पत्तन के नाम से जाना जाता है। गोवा स्थित मार्मागाओ बंदरगाह से देश के कुल निर्यात का आधा लौह-अयस्क निर्यात किया जाता है।

भारत का सबसे प्राचीन कृत्रिम पत्तन चेन्नई में है। पहले वायु परिवहन विशिष्ट लोगों के हाथ में था, लेकिन 1953 में सरकार ने वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण कर दिया । शुरुआत में एयर इंडिया की हवाई यात्राएँ देश से विदेशों तक जुड़ी थीं और इंडियन एयरलाइन्स घरेलू एवं पड़ोसी देशों से जुड़ी हुई विमान सेवा थी। लेकिन आजकल हवाई सेवाएँ निजी कम्पनियों द्वारा भी चलायी जा रही हैं। किंगफिशर, डेक्कन, गेट, इंडिगो इत्यादि प्रावईट एजेंसियाँ हैं।

https://www.evidyarthi.in/

देश में दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, अमृतसर इत्यादि शहरों से अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानें उपलब्ध हैं।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/